INTERNATIONAL INDIAN SCHOOL DAMMAM

संकलित परीक्षा-I (2015)

कक्षा-IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं—क, ख, ग, घ।
(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड-क

1. **प्रस्तुत गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।** 5

स्वतंत्रता और अनुशासन एक-दूसरे के विपरीत होते हुए भी एक-दूसरे के पूरक हैं। रक्षा प्रणाली का उद्देश्य है स्वतंत्रता का बचाव, पर क्या सुरक्षा में स्वतंत्रता है? क्या सैनिकों को स्वतंत्रता है? नहीं, वे नियमों में बँधे हैं—यदि उन्हें बायाँ कदम उठाने का आदेश मिले तो वे दाहिना कदम भी नहीं उठा सकते। उनके कदम नपे-तुले होते हैं, वे स्वाभाविक चाल भी नहीं चल सकते। इस रक्षा में बिलकुल भी स्वतंत्रता नहीं है जिनको स्वयं बिलकुल भी आजादी नहीं, वे ही देश की स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। ऐसे ही पुलिस भी है—वे व्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। अनुशासन स्वतंत्रता की रक्षा करता है। ये दोनों साथ-साथ चलते हैं। इसे समझो और आगे बढ़ो। तुम्हें कुछ नियमों का पालन करना पड़ता है और यही तुम्हें स्वतंत्रता प्रदान करता है। यह तुम पर है कि तुम अपना ध्यान स्वतंत्रता पर देते हो या अनुशासन पर। यही तुम्हें सुखी या दुखी बनाता है।

(क) अनुशासन और स्वतंत्रता एक दूसरे के विपरीत होते हुए भी हैं परस्पर,.....

(i) विपरीत (ii) पूरक
(iii) विपरीत और पूरक (iv) समान

(ख) रक्षा प्रणाली का उद्देश्य है—

(i) परतंत्रता का बचाव (ii) स्वतंत्रता का बचाव
(iii) स्वतंत्रता और परतंत्रता का बचाव (iv) गुलामी पर रोक

(ग) यदि सैनिकों को बायाँ कदम उठाने का आदेश मिले तो वे,

(i) दाहिना कदम उठा सकते हैं।

(ii) दाहिना कदम भी नहीं उठा सकते।

(iii) दाहिना कदम कभी-कभी उठा सकते हैं।

(iv) दोनों कदम उठा सकते हैं।

(घ) देश की स्वतंत्रता की रक्षा की जिम्मेदारी उन्हें मिली हुई है जिनको–

(i) स्वयं बिलकुल भी आजादी नहीं।

(ii) जिनको आंशिक आजादी है।

(iii) जिनको पूर्णतः आजादी है।

(iv) जिनको गुलाम बनाकर रखा हुआ है।

(ङ) अनुशासन में किस उपसर्ग का प्रयोग है–

(i) अनु (ii) अन

(iii) अ (iv) अनू

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए– 5

सवेरे का सुहावना समय था। अमरावती पुरी के नन्दनवन में इन्द्र का दरबार लगा था। सब देवता मारे घमण्ड के अपनी-अपनी डींगें हाँकते हुए एक दूसरे से झगड़ रहे थे कि बीच आसमान से एक परम तेजस्वी यक्ष पुरुष नीचे धरती की ओर उतरता हुआ दिखाई पड़ा। उस समय दसों दिशाओं में चकाचौंध मच गई। देवताओं की चमकदार आँखें मुँदने-सी लगीं। यहाँ तक कि अग्निदेव भी, जो अपने तेज को बहुत सजा-बजाकर बैठे हुए थे, उस परम तेज से मलिन हो गए। देवताओं की हँसी एकाएक बंद हो गई। सबकी अधखुली आँखें सामने दिखाई पड़ने वाले उस परम तेजस्वी यक्ष पुरुष की ओर लग गईं। उसके परम तेज से सबका चेहरा फीका पड़ने लगा। थोड़ी देर तक सभी चुप बने रहे और इस तरह देखते-ही-देखते देवराज इन्द्र की सभा में एकदम सन्नाटा छा गया।

(i) इन्द्र के दरबार का स्थान था :

(i) इन्द्रपुरी (ii) अमरावती पुरी

(iii) नंदनवन (iv) इन्द्रलोक

(ii) यकायक धरती की ओर उतरता दिखाई पड़ा एक :

(i) तारा (ii) पुरुष

(iii) यक्षपुरुष (iv) यान

(iii) देवताओं की यह दशा हुई कि, उनकी :

(i) बोलती बंद हो गई (ii) आँखें मुँदने सी लगीं

(iii) साँसें रुक गईं (iv) हँसी छूट पड़ी

(iv) देवताओं की हँसी का यकायक बंद होने का कारण था, यक्ष का–

(i) परम प्रसन्न होना। (ii) परम तेजस्वी होना।

(iii) यकायक रुष्ट होना। (iv) उनसे प्रश्न कर बैठना।

(v) यक्ष के परम तेज से सबका चेहरा होने लगा :

(i) सामान्य (ii) फीका

(iii) ठंडा (iv) लाल

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए– 5

स्पंदन में चिर निस्पंद बसा,
क्रंदन में आहत विश्व हँसा,
नयनों में दीपक से जलते,
पलकों में निर्झरिणी मचली।
मेरा पग-पग संगीत भरा,
श्वासों में स्वप्न-पराग झरा,
नभ के नव रंग बुनते, दुकूल
छाया में मलय-बयार पली।
मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर घूमिल,
चिंता का भार बनी अविरल,
रज़-कण पर जल-कण हो बरसी,
नव जीवन-अंकुर बन निकली।

(i) 'पलकों में निर्झरिणी मचली' में निहित भाव है कि :

(i) पलक सदैव भीगे रहते हैं। (ii) वेदना व अश्रुमय जीवन है।

(iii) पलकों में नदी उमड़ रही है। (iv) आँसू नहीं रुकते।

(ii) कवि का प्रत्येक कदम और गति हो उठी है :

(i) संगीतमय (ii) पीड़ायुक्त

(iii) सचेष्ट (iv) निस्चेष्ट

(iii) पद्यांश में छाया में किसके पलने की बात कही गई है ?

(i) मलय-बयार बहने की (ii) नव-रंग की

(iii) स्वप्न-पराग की (iv) मलय-पराग की

(iv) 'रज-कण पर जल-कण' कण होकर बरसने का भाव है कि :

(i) जल-कण बरसाना

(ii) अपने स्नेह की बूंदों से सतत सिक्त करता रहा

(iii) स्वयं कष्ट सहकर भी दूसरों की सहायता करना

(iv) आँसुओं से भूमि गीली कर देना

(v) नव-जीवन का अर्थ है :

(i) नया-जीवन (ii) प्राचीन जीवन

(iii) पहले का जीवन (iv) वर्तमान जीवन

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गये प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए– 5

देखकर बाधा विविध, बहु विघ्न घबराते नहीं।
रह भरोसे भाग्य के दुख भोग पछताते नहीं।।
काम कितना ही कठिन हो किंतु उकताते नहीं।
भीड़ में चंचल बने जो वीर दिखलाते नहीं।।
हो गए इक आग में उनके बुरे दिन भी भले।
सब जगह सब काल में वे ही मिले फूले-फले।।
व्योम को छूते हुए दुर्गम पहाड़ों के शिखर।
वे घने जंगल जहाँ रहता है तम आठों पहर।।
गरजती जल-राशि की उठती हुई ऊँची लहर।
आग की भयदायिनी फैली दिशाओं में लपट।।
वह कँपा सकती कभी जिसके कलेजे को नहीं।
भूलकर भी वह नहीं नाकाम रहता है कहीं।।

(i) बाधाओं को देखकर नहीं घबराने वाला होता है :

(क) वीर (ख) कायर

(ग) डरपोक (घ) कामजोर

(ii) इस पद्यांश का शीर्षक है–

(क) वीर (ख) कायर

(ग) देशभक्त (घ) पापी

(iii) वीर भीड़ में भी सदा बने रहते हैं :

(क) चंचल (ख) बेचैन

(ग) गंभीर एवं धीर (घ) हैरान व परेशान

(iv) वीर व्यक्ति का स्वभाव होता है कि वह :

(क) निडर एवं संघर्षशील होता है (ख) पछताता नहीं है

(ग) आनंदित रहता है (घ) सदा प्रसन्न रहता है

(v) वीर कभी भूलकर भी नहीं रहता है :

(क) बेचैन (ख) असहाय

(ग) चिंताकुल (घ) बिना काम का एवं असफल

खण्ड-ख

5. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए : (1+1= 2)

मनुष्य, पहचान

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से उस शब्द को चुनिए, जिनमें अनुस्वार का प्रयोग होता है : (1)

अक, उगली, जाच

(ग) निम्नलिखित शब्द में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कर शब्द को दुबारा लिखिए : (1)

गाव

(घ) निम्नलिखित शब्द में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए : (1)

तकदीर

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए : (1+1=2)

अति + अंत, सु + आगत

(ख) निम्नलिखित शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए : (1+1=2)

सदैव, विद्यालय

7. (क) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्दों व उपसर्गों/ प्रत्ययों को अलग-अलग करके लिखिए : (1x3=3)

अभियोग, आमरण, पत्रकार

(ख) निम्नलिखित में उचित विराम चिह्न लगाइए – (½x6=3)

(1) सुनो यह किस बात का शोर है

(2) लहरें आएंगी और लौट जाएंगी

(3) बच्चो शोर क्यों मचा रहे हो

खण्ड-ग

पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (2+2+1)

8. (i) लेखक ने धूल और मिट्टी में क्या अंतर बताया है ? 2

(ii) डा. मीनू मेहता ने लेखिका और उसके साथियों को क्या-क्या महत्वपूर्ण जानकारियां दीं ? 2

(iii) अतिथि लेखक के घर कितने दिन से रह रहा था ? 1

9. 'दुख का अधिकार' कहानी से स्पष्ट होता है कि 'पैसे की कमी और अभाव आदमी को दुख मनाने का अवसर भी नहीं देते'। कैसे और क्यों ? 5

अथवा

लेखिका की सफलता पर कर्नल खुल्लर ने उसे किन शब्दों में बधाई दी ?

10. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+1)**

मनुष्यों की पोशाकें उन्हें विभिन्न श्रेणियों में बाँट देती हैं। प्रायः पोशाक ही समाज में मनुष्य का अधिकार और उसका दर्ज़ा निश्चित करती है। वह हमारे लिए अनेक बंद दरवाज़े खोल देती है, परंतु कभी ऐसी भी परिस्थिति आ जाती है कि हम ज़रा नीचे झुककर समाज की निचली श्रेणियों की अनुभूति को समझना चाहते हैं। उस समय यह पोशाक ही बंधन और अड़चन बन जाती है। जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देंतीं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक-सकने से रोके रहती हैं।

(1) समाज में विभिन्न श्रेणियों का विभाजन पोशाक पर आधारित क्यों होता है ? 2

(2) लेखक की बुढ़िया के प्रति सहानुभूति प्रकट करने में पोशाक अड़चन क्यों बन गई? 2

(3) कटी पतंग से तुलना क्या सिद्ध करती है ? 1

पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)

11. (i) सुई और तलवार का उदाहरण देकर रहीम कवि क्या सिद्ध करना चाहते हैं ? 2

(ii) 'मस्जिद भी आदमी ने बनाई है यां मियाँ' यहाँ कवि क्या कहना चाहता है ? 2

(iii) कवि रैदास ने भगवान और भक्त की तुलना किन चीज़ों से की है ? 1

12. 'आदमीनामा' कविता पढ़कर क्या आपको लगता है कि हर इंसान में अच्छाई और बुराई छिपी है ? निजी अनुभव से उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

रहीम ने अपने दुख को दूसरों के सामने प्रकट करने से मना क्यों किया है ?

13. 'स्मृति' पाठ में लेखक के प्रति सहानुभूति की भावना प्रबल होने के कारण छोटे भाई की चीख निकल गई-कथन को स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

लेखिका का ध्यान आकृष्ट करने के लिए गिल्लू क्या-क्या करता था ?

खण्ड-घ

दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

14. (i) मित्रता : 5

(क) जीवन पर प्रभाव

(ख) सफलता एवं असफलता में योगदान

(ग) सच्चा मित्र औषधि समान

(ii) भ्रष्टाचार मिटाने हेतु जन लोकपाल बिल आवश्यक

(क) जन लोकपाल बिल से तात्पर्य

(ख) इसके लाभ

(ग) समर्थन में बाधा एवं सुझाव

(iii) दूरदर्शन का प्रभाव

(क) जनसामान्य पर व्यापक प्रभाव

(ख) असंभव की संभव प्रतीति

(ग) नकारात्मक प्रभाव से बचने के उपाय

15. अस्पताल में दाखिल हुए अपने किसी दुर्घटनाग्रस्त मित्र/ सखी को सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

अपने छोटे भाई को परिश्रम का महत्व बताते हुए पत्र लिखिए। 5

16. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए। 5

17. 'महँगाई और पिसता आम आदमी' विषय पर समाज के दो सामान्य व्यक्तियों के बीच संवाद लिखिए। 5

18. आपका फ्रिज बिकाऊ है। इसके लिए 20-25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5